वाराणसी विकास प्राधिकरण वाराणसी

राजा उदय प्रताप मार्ग पन्ना लाल पार्क वाराणसी-221002

Ph: 0542-2283305/06, Fax: 0542-2283307, E-mail: vdavaranasi@gmail.com, Website:www.vdavns.com

वाराणसी विकास प्राधिकरण से सम्बन्धित दिनांक 27.06.2024 को वाराणसी शहर में प्रकाशित न्यूज पेपर",अमर उजाला, आज, हिन्दुस्तान, राष्ट्रीय सहारा, ज्ञानशिखा टाइम्स, जागरूक एक्सप्रेस, न्यायाधीश, जनसंदेश टाइम्स,"समाचार पत्र कटिंग का विवरण।

अमर उजाला–दि0 27.06.2024

असि नदी को बचाने के लिए आईआईटी-वीडीए में करार

माई सिटी रिपोर्टर

वाराणसी। काशी के लिए पौराणिक महत्व रखने वाली असि नदी को विलुप्त होने से बचाने की मुहिम तेज हो गई है। इसके लिए वाराणसी विकास प्राधिकरण (वीडीए) अब आईआईटी बीएचयू के साथ मिलकर काम करेगा। इसी सिलसिले में बुधवार को वीडीए और आईआईटी के बीच समझौता पत्र पर हस्ताक्षर हुआ है। असि नदी के पुनरुद्धार से संबंधित डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) आठ महीने में बनेगी।

असि नदी के ऐतिहासिक महत्व, पर्यावरण और जल संरक्षण का काम वीडीए को कराना है। नदी का प्रमुख अंश जल पुनर्जीवन, तटों का विकास, पर्यावरण सुधार, हरित क्षेत्र विकास और जल शुद्धीकरण कराया जाना है। यह काम जल्द शुरू होगा। इससे पहले ही आईआईटी के डायरेक्टर प्रो. अमित पात्रा, वीडीए उपाध्यक्ष पुलकित गर्ग और डीन रिसर्च एंड डेवलपमेंट प्रो. विकास दूबे की मौजूदगी में नदी के कायाकल्प का खाका तैयार किया गया है। जो समझौता पत्र बना है, उसे पर सिविल इंजीनियरिंग विभाग के प्रमुख प्रो. एसएस मंडल और वीडीए के अधिशासी अभियंता आनंद कुमार मिश्रा ने हस्ताक्षर भी किया है।

ये काम होंगे

- पुनरुद्धार के लिए कार्ययोजना बनेगी।
- बेसिन का भू-तकनीकी अध्ययन।
- बेसिन का भू-भौतिकीय और भू-आकृति विज्ञान अध्ययन।
- रिवर फ्रंट की योजना और डिजाइन।
- 1.12 करोड़ बजट, 4 चरणों में तैयार होगी डीपीआर
- प्रारंभिक मूल्यांकन रिपोर्ट और डाटा संग्रह का काम दो महीने में पूरा होगा।
- प्रौद्योगिकी समाधान के साथ व्यवहार्यता रिपोर्ट पांच महीने में बनेगी।
- मसौदा विस्तृत परियोजना रिपोर्ट सात महीने में तैयार होगी।
- अंतिम विस्तृत परियोजना रिपोर्ट आठ महीने में बन जाएगी।

आज–दि0 27.06.2024

सिकरौल में भवन सील

विप्रा उपाध्यक्ष के निर्देश पर वाराणसी जोन एक के वार्ड सिकरौल में एक हास्पिटल का निर्माण किया जा रहा था। मौके पर क्षेत्रीय अवर अभियंता पहुंचे और उन्होंने मानचित्र की मांग की। जिसे भवन स्वामी ने देने में असमर्थता जतायी। जोनल अधिकारी गौरव जयप्रकाश, अवर अभियंता अतुल मिश्रा ने भवन को सील कर दिया इसके बाद संबंधित थाने में अभिरक्षा के लिए सौंप दिया गया।

वाराणसी विकास प्राधिकरण वाराणसी

राजा उदय प्रताप मार्ग पन्ना लाल पार्क वाराणसी-221002

Ph: 0542-2283305/06, Fax: 0542-2283307, E-mail: vdavaranasi@gmail.com, Website:www.vdavns.com

आज–दि0 27.06.2024

असि नदी परियोजना के एमओयू पर बनी सहमति

असि नदी परियोजना पर बुधवार को विप्रा उपाध्यक्ष पुलकित गर्ग और बीएचयू के आईआईटी के

प्रोफेसर अमित पात्रा और विकास दुबे के देख रेख में एक एमओयू अनुबंधन पर हस्ताक्षर किये। जिसके अन्तर्गत असि नदी के उद्धार के लिए लगभग एक करोड़ १२ लाख में नदी की जिर्णोद्धार किया जायेगा। इसके लिए आठ महिने की समय निर्धारित किया गया है। इस परियोजना में जल पुनर्जीवन, नदी तट विकास, पर्यावरण सुधार, हरिक्षेत्र में विकास एवं जल के सुद्धिकरण के कार्य किया जायेगा। प्रारम्भिक मुल्यांकन रिपोर्ट और डेटा दुसरे महिने संग्रह किया जायेगा, प्रौद्योगिकी समाधान के साथ व्यवहार्यता रिपोर्ट पांचवां महीने में दी जायेगी। असि नदी की उपपयोजना तीन की डिजाईन भी आईआईटी विभाग करेगा। असि नदी के बेसिन का भू-भौतिकीय और भू-आकृति विज्ञान अध्ययन एमओयू पर सिविल ईंजिनियर आईआईटी बीएचयू के प्रमुख प्रोफेसर एसएस मण्डल एवं विकास प्राधिकारण के अधिशासी अभियंता आनन्द कुमार मिश्रा ने हस्ताक्षर किये। इस अवसर पर

विप्रा उपाध्यक्ष, आईआईटी बीएचयू अमिता पात्रा और विकास दुबे के बीच हुआ समझौता,आठ महीने में असि नदी का बदलें स्वरूप

उप परियोजना दो पर भी चर्चा की जायेगी, असि नदी के बेसिन का भू-भौतिकी अध्ययन उप परियोजना एक पर भी चर्चा की जायेगी। अनुबंधन के तहत मुख्य रूप से नदी के पुनरूद्धार के विषय में है। बुधवार को इस विषय में विप्रा सभागार में असि नदी के महत्व पर विशेषज्ञों ने विचार विमार्श किया। जिसमें आईआईटी के विशेषज्ञों सहयोगात्म प्रयास किया है। उप परियोजना के निदेशक प्रोफेसर अमित पात्रा और विप्रा उपाध्यक्ष पुलकित गर्ग भी मौजूद थे। इस संबंध में हुई एक गोष्ठी में परियोजना के प्रमुखता पर विचार विमर्श किया गया और उसके धार्मिक महत्व पर विचार किया गया। यह सहयोगात्मक प्रयास नदी के पुनरूद्धार, पर्यावरण संरक्षण और वाराणसी में असि नदी के भावनात्मक जुड़ाव की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होगा जिससे उपरोक्त वाक्यांश साकार हो सके।

हिन्दुस्तान–दि0 27.06.2024

असि के बेसिन का होगा अध्ययन

हुआ करार

वाराणसी, वरिष्ठ संवाददाता। आईआईटी बीएचयू के विशेषज्ञ असि नदी के बेसिन का भू-भौतिकीय अध्ययन करेंगे। असि को पुनर्जीवित करने के उद्देश्य से बुधवार को आईआईटी बीएचयू के सभागार में वीडीए उपाध्यक्ष पुलकित गर्ग और आईआईटी के निदेशक प्रो. अमित पात्रा के बीच समझौते का आदन-प्रदान हुआ। परियोजना के समझौते पर आईआईटी बीएचयू के सिविल इंजीनियरिंग विभाग के प्रोफेसर एसएस मंडल एवं वीडीए के एक्सईएन आनन्द कुमार मिश्रा ने हस्ताक्षर किए।

आईआईटी बीएचयू के सभागार में समझौते का आदान-प्रदान करते आईआईटी बीएचयू के निदेशक प्रो. अमित पात्रा एवं वीडीए उपाध्यक्ष पुलकित गर्ग। (दायें से बाएं)

आईआईटी बीएचयू इस पर आठ माह में रिपोर्ट देगा। इस अध्ययन पर 1.12 करोड़ रुपये खर्च होंगे।

इस समझौते के तहत आईआईटी असि नदी में पानी के स्रोत बढ़ाने संबंधी बिंदुओं पर रिपोर्ट देगा। इस नदी को तालाबों से जोड़कर पुनर्जीवित करने का उद्देश्य है। असि रिवर फ्रन्ट की कार्ययोजना तैयार करने में भी इस रिपोर्ट से मदद मिलेगी।

प्रो. अमित पात्रा ने कहा कि जल पुनर्जीवन, नदी तट और हरित क्षेत्र के विकास, पर्यावरण सुधार, जल शुद्धीकरण इस रिपोर्ट के मुख्य बिंदु होंगे। वीडीए उपाध्यक्ष ने बीएचयू के कुलगीत की एक पंक्ति दोहराते हुए कहा- 'सुरम्य धाराएं वरुणा अस्सी, नहाये जिनमें कबीर तुलसी' के मर्म पर यह अध्ययन होगा। असि का पौराणिक एवं ऐतिहासिक महत्व है, अब उसके वैज्ञानिक अध्ययन की जरूरत है।

वाराणसी विकास प्राधिकरण वाराणसी

राजा उदय प्रताप मार्ग पन्ना लाल पार्क वाराणसी-221002

Ph: 0542-2283305/06, Fax: 0542-2283307, E-mail: vdavaranasi@gmail.com, Website:www.vdavns.com

राष्ट्रीय सहारा–दि0 27.06.2024

असि के पुनरुद्धार को वीडीए व आईआईटी बीएचयू के बीच एमओयू पर हुआ हस्ताक्षर

वाराणसी (एसएनबी)। असि नदी का पौराणिक एवं ऐतिहासिक महत्व है जो वर्तमान में विलुप्त होने के कगार पर है। असि का महत्व एवं पर्यावरण को संरक्षण तथा जल संरक्षण के दृष्टिगत उक्त नदी का पुनरुद्धार वाराणसी विकास प्राधिकरण द्वारा कराया जाना प्रस्तावित है। असि को पुनर्जीवित करने तथा पौराणिक एवं ऐतिहासिक महत्व को पुनर्स्थापित करने की दिशा में वीडीए एवं भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान वाराणसी (आईआईटी बीएचयू) ने एक सहयोगात्मक प्रयास शुरू किया है। उक्त परियोजना के एमओयू पर औपचारिक रूप से सिविल इंजीनियरिंग विभाग (आईआईटी बीएचयू) के प्रमुख प्रो. एसएस मंडल एवं वीडीए के अतिरिक्त अभियंता आनंद कुमार मिश्रा ने बुधवार को हस्ताक्षर किया। समारोह में आईआईटी बीएचयू के निदेशक प्रो. अमित पात्रा और वीडीए के उपाध्यक्ष पुलकित गर्ग (आईएएस), प्रो. विकास दुबे, डीन आर एंड डी, अन्य डीन वरिष्ठ प्रो. एवं प्राधिकरण के प्रतिनिधि सहित गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया।

समारोह की शुरुआत सिविल इंजीनियरिंग आईआईटी बीएचयू के विभागाध्यक्ष प्रो. एसएस मंडल के एक मार्मिक उद्धरण के साथ हुई। जिसमें परियोजना का सार बताया गया-'सुरम्य वरणा असि। नहाये जिनमें कबीर तुलसी। 'असि के सांस्कृतिक, सामाजिक, पर्यावरणीय और आध्यात्मिक महत्व पर भी प्रकाश डाला। यह उस महत्व और जुड़ाव का प्रतीक है जो कबीर और तुलसीदास जैसे कवियों और संतों का नदी के साथ रहा है। यह सहयोगात्मक प्रयास नदी के पुनरुद्धार, पर्यावरण संरक्षण और वाराणसी में असि नदी के भावनात्मक जुड़ाव की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होगा। जिससे उपरोक्त वाक्यांश साकार हो सके।

एमओयू के तहत आईआईटी बीएचयू की तरफ से ये कार्य किये जाने हैं : असि नदी के पुनरुद्धार के लिए व्यापक कार्य योजना तैयार करना (मुख्य परियोजना)। असि नदी के बेसिन का भू-तकनीकी अध्ययन (उप परियोजना-1)। असि नदी के बेसिन का भू-भौतिकीय और भू-आकृति विज्ञान अध्ययन (उप परियोजना-2)। असि रीवर फ्रंट की योजना और डिजाइन (उप परियोजना-3)। इन घटकों के लिए डीपीआर चार चरणों में तैयार की जायेगी, जिसे निम्नानुसार 8 महीने की अवधि में पूरा किया जायेगा।

प्रारम्भिक मूल्यांकन रिपोर्ट और डेटा संग्रह : दूसरा महीना प्रौद्योगिकी समाधान के साथ व्यवहार्यता रिपोर्ट पांचवा महीना 3 मसौदा विस्तृत परियोजना रिपोर्ट- सातवां महीना। अंतिम विस्तृत परियोजना रिपोर्ट आठवां महीना उक्त कार्यों पर कुल धनराशि रु. 1.12 करोड़ व्यय संभावित है। प्रस्तावित परियोजना का प्रमुख अंश जल पुनर्जीवन, नदी तट विकास, पर्यावरण सुधार, हरित क्षेत्र विकास एवं जल शुद्धीकरण का कार्य प्रस्तावित है जिससे असि नदी पुनरुद्धार से नदी के पौराणिक एवं ऐतिहासिक महत्व का पुनर्स्थापन हो सके।

ज्ञानशिखा टाइम्स–दि0 27.06.2024

विकास प्राधिकरण वाराणसी जोन-1 की प्रवर्तन टीम द्वारा अवैध निर्माण के विरूद्ध सील की कार्यवाही

वाराणसी। वार्ड-सिकरौल के अन्तर्गत सचिन सिंह द्वारा सूर्यांश हॉस्पिटल, सिकरौल गाँव (सिकरौल पोखरा के पास), वार्ड-सिकरौल, जिला-वाराणसी में अवैध निर्माण कराये जाने पर उ0प्र0 नगर नियोजन एवं विकास अधिनियम की धारा-27(1), 28(1) व 28 (11) के अन्तर्गत आज दिनांक 26.06.2024 को स्थल को सील किया गया है। जोनल अधिकारी गौरव जयप्रकाश ,अवर अभियन्ता अतुल मिश्रा , मौजूद रहे।

वही चेतगंज मे मास्टर प्लान मे प्रस्तावित 12 मीटर चौड़ी रोड की रोड वाइडनिंग को प्रभावित करते हुए की जा रही लगभग 12 फीट ऊंची एवं 130 फीट लम्बी अनाधिकृत बाउंड्रीवाल को जोन प्रवर्तन टीम द्वारा ध्वस्त करा दिया गया। जोनल अधिकारी सौरभ देव प्रजापति , प्रवर्तन टीम प्रभारी सहायक अभियंता देवेश गुप्ता एवं क्षेत्रीय अवर अभियंता रविन्द्र प्रकाश कार्यवाही के दौरान मौके पर उपस्थित रहे।

वाराणसी विकास प्राधिकरण वाराणसी

राजा उदय प्रताप मार्ग पन्ना लाल पार्क वाराणसी-221002

Ph: 0542-2283305/06, Fax: 0542-2283307, E-mail: vdavaranasi@gmail.com, Website:www.vdavns.com

जागरूक एक्सप्रेस–दि0 27.06.2024

अब वीडीए की सीमा चंदौली के सकलडीहा और मिर्जापुर के चुनार तक, कैबिनेट से मिली मंजूरी

वाराणसी। अब वीडीए की सीमा चंदौली के सकलडीहा और मिजार्पुर के चुनार तक होगी। वीडीए ने 215 राजस्व ग्रामों के 280.65 वर्ग किलोमीटर क्षेत्रफल को विकास क्षेत्र में शामिल करने का प्रस्ताव शासन में भेजा था। इनमें वाराणसी की तीन तहसील, चंदौली की दो तहसील सकलडीहा व पीडीडीयू नगर और मिजार्पुर की एक तहसील चुनार के राजस्व गांव शामिल हैं। मंगलवार को हुई कैबिनेट की बैठक में वीडीए के इस प्रस्ताव को स्वीकृति मिल गई। इससे वाराणसी के सुनियोजित विकास में सहायता मिलेगी। इन क्षेत्रों में वीडीए अवस्थापना सुविधाओं का विकास करेगा।वीडीए ने तहसील राजातालाब के 94 राजस्व ग्रामों के क्षेत्रफल 99.75 वर्ग किलोमीटर, तहसील पिंडरा के 30 राजस्व ग्रामों के क्षेत्रफल 59.13 वर्ग किलोमीटर और तहसील सदर के 18 राजस्व ग्रामों के क्षेत्रफल 23.43 वर्ग किलोमीटर तक की सीमा का विस्तार किया है।

वहीं, चंदौली की तहसील सकलडीहा के दो राजस्व ग्रामों के क्षेत्रफल 1.50 वर्ग किलोमीटर व पंडित दीन दयाल उपाध्याय नगर के 54 राजस्व ग्रामों के क्षेत्रफल 77.19 वर्ग किलोमीटर तक वीडीए का दायरा बढ़ा है। इसी तरह मिजार्पुर की तहसील चुनार के 17 राजस्व ग्रामों के 19.64 वर्ग किलोमीटर के क्षेत्र को वीडीए की सीमा में शामिल किया गया है।

न्यायाधीश–दि0 27.06.2024

अस्सी नदी को पुनर्जीवित करने तथा पौराणिक एवं ऐतिहासिक महत्व को पुनर्स्थापित करने की दिशा में प्रयास शुरू

वाराणसी। स्थानीय अस्सी नदी का पौराणिक एवं ऐतिहासिक महत्व है जो वर्तमान में विलुप्त की अवस्था में है। अस्सी नदी की महत्ता एवं पर्यावरण की संरचना तथा जल संरक्षण के दृष्टिगत उक्त नदी का पुनरुद्धार कार्य वाराणसी विकास प्राधिकरण द्वारा कराया जाना प्रस्तावित है। अस्सी नदी को पुनर्जीवित करने तथा पौराणिक एवं ऐतिहासिक महत्व को पुनर्स्थापित करने की दिशा में वाराणसी विकास प्राधिकरण (वी.डी.ए.) एवं भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान वाराणसी (आई.आई.टी. बीएचयू) ने एक सहयोगात्मक प्रयास शुरू किया है।उक्त परियोजना के एम.ओ.यू. पर औपचारिक रूप से सिविल इंजीनियरिंग विभाग (आई.आई.टी. बीएचयू) के प्रमुख प्रोफेसर एस0एस0 मंडल एवं वाराणसी विकास प्राधिकरण के अधिशासी अभियंता श्री आनन्द कुमार मिश्रा द्वारा दिनांक 26 जून, 2024 को हस्ताक्षर किए गये। समारोह में आई.आई.टी. बीएचयू 0 के निदेशक प्रोफेसर अमित पात्रा और वाराणसी विकासा प्राधिकरण के उपाध्यक्ष श्री पुलकित गर्ग (आई.ए.एस.), प्रोफेसर विकास दुबे, डीन आर. एण्ड डी., अन्य डीनए वरिष्ठ प्रोफेसर एवं प्राधिकरण के प्रतिनिधि सहित गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया। इस अवसर की शुरुआत सिविल इंजीनियरिंग आई.आई.टी. बीएचयू के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर एस0एस0 मंडल के एक मार्मिक उद्धरण के साथ हुई, जिसमें परियोजना का सार बताया गया-'सूरम्य धाराएँ वरुणा अस्सी। नहाये जिनमे कबीर तुलसी।।'अस्सी नदी के सांस्कृतिक, सामाजिक, पर्यावरणीय और आध्यात्मिक महत्व पर भी प्रकाश डाला गया। यह उस महत्व और जुड़ाव का प्रतीक है जो कबीर और तुलसीदास जैसे कवियों और संतों का नदी के साथ रहा है। यह सहयोगात्मक प्रयास नदी के पुनरुद्धार, पर्यावरण संरक्षण और वाराणसी में अस्सी नदी के भावनात्मक जुड़ाव की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होगा जिससे उपरोक्त वाक्यांश साकार हो सके।परियोजना हेतु निष्पादित एम0ओ0यू0 के तहत आई0आई0टी0 बीएच0यू0 द्वारा निम्नलिखित कार्य किये जाने है जिनमें अस्सी नदी के पुनरुद्धार के लिए व्यापक कार्य योजना तैयार करना (मुख्य परियोजना)। अस्सी नदी के बेसिन का भू-तकनीकी अध्ययन (उप परियोजना-1)। अस्सी नदी के बेसिन का भू-भौतिकीय और भू-आकृति विज्ञान अध्ययन (उप परियोजना-2)। अस्सी रीवर फ्रन्ट की योजना और डिजाइन (उप परियोजना-3)।इन घटकों के लिए डी0पी0आर0 चार चरणों में तैयार की जायेगी, जिसे 8 महीनें की अवधि में पूरा किया जायेगा-. प्रारम्भिक मूल्यांकन रिपोर्ट और डेटा संग्रह- दूसरा महीना प्रौद्योगिकी समाधान के साथ व्यवहार्यता रिपोर्ट पाँचवा महीना . मसौदा विस्तृत परियोजना रिपोर्ट- सातवाँ महीनाअंतिम विस्तृत परियोजना रिपोर्ट आठवाँ महीना उक्त कार्यों पर कुल धनराशि रु0 1.12 करोड़ व्यय सम्भावित है।प्रश्नगत परियोजना का प्रमुख अंश जल पुनर्जीवन, नदी तट विकास, पर्यावरण सुधार, हरित क्षेत्र विकास एवं जल शुद्धीकरण का कार्य प्रस्तावित है जिससे अस्सी नदी पुनरुद्धार से नदी के पौराणिक एवं ऐतिहासिक महत्व का पुनर्स्थापन हो सके।

वाराणसी विकास प्राधिकरण वाराणसी

राजा उदय प्रताप मार्ग पन्ना लाल पार्क वाराणसी-221002

Ph: 0542-2283305/06, Fax: 0542-2283307, E-mail: vdavaranasi@gmail.com, Website:www.vdavns.com

न्यायाधीश–दि0 27.06.2024

वाविप्रा ने ध्वस्त कराई रोड वाइंडनिंग को प्रभावित करने वाली बाउंड्रीवाल

वाराणसी।उपाध्यक्ष वाविप्रा द्वारा प्रदत्त निर्देश के क्रम में वाराणसी विकास प्राधिकरण के जोन-3 के चंदुआ सत्ती छित्तूपुर वार्ड चेतगंज मे 26.जून को मास्टर प्लान मे प्रस्तावित 12 मीटर चौड़ी रोड की रोड वाइंडनिंग को प्रभावित करते हुए की जा रही लगभग 12 फीट ऊंची एवं 130 फीट लम्बी अनाधिकृत बाउंड्रीवाल को जोन प्रवर्तन टीम द्वारा ध्वस्त करा दिया गया।इस दौरान जोनल अधिकारी सौरभ देव प्रजापति , प्रवर्तन टीम प्रभारी सहायक अभियंता देवेश गुप्ता एवं क्षेत्रीय अवर अभियंता रविन्द्र प्रकाश उपस्थित रहे।

न्यायाधीश–दि0 27.06.2024

अवैध निर्माण के विरूद्ध सील की कार्यवाही

वाराणसी।वाराणसी जोन-1 की प्रवर्तन टीम द्वारा अवैध निर्माण के विरूद्ध सील की कार्यवाही सम्पादित की गयी।इस क्रम में वार्ड-सिकरौल के अन्तर्गत सचिन सिंह द्वारा सूर्याश हॉस्पिटल, सिकरौल गाँव (सिकरौल पोखरा के पास), वार्ड-सिकरौल, जिला-वाराणसी में अवैध निर्माण कराये जाने पर 30प्र0 नगर नियोजन एवं विकास अधिनियम की धारा-27(1), 28(1) व 28 (11) के अन्तर्गत आज दिनांक 26.06.2024 को स्थल को सील किया गया है।मौके पर जोनल अधिकारी गौरव जयप्रकाश ,अवर अभियन्ता अतुल मिश्रा , मौजूद रहे।

वाराणसी विकास प्राधिकरण वाराणसी

राजा उदय प्रताप मार्ग पन्ना लाल पार्क वाराणसी-221002

Ph: 0542-2283305/06, Fax: 0542-2283307, E-mail: vdavaranasi@gmail.com, Website:www.vdavns.com

जनसंदेश टाइम्स–दि0 27.06.2024

वीडीए में शामिल होंगे 215 गांव

वाराणसी। वीडीए के सीमा का जल्द विस्तार होगा। इसका क्षेत्रफल पहले से अब काफी बड़ा किया जायेगा। जिसमें नगर निगम क्षेत्र,अनेक राजस्व ग्राम सहित कई तहसील भी सम्मलित किये गये है।इसके लिए वीडीए को सीमा विस्तार की जहां मंजूरी मिल गयी है,वहीं कैबिनेट ने भी अपनी अनुमति दे दिया हैं। इसको लेकर विभाग ने उन क्षेत्रों को अपने सीमा में शामिल करने के लिए पूरी तैयारी कर ली हैं और इस कार्य के लिए अधिकारियों को जिम्मेदारी भी सौप दिया हैं।वीडीए ने सीमा विस्तार के लिए कुल 216 ग्रामों को अपनी विकास क्षेत्र की सीमा में सम्मिलित करने का प्रस्ताव शासन को अनुमोदन हेतु प्रेषित किया गया था जिसमें से तहसील पिंडरा के ग्राम करखियावँ को छोड़कर अन्य समस्त 215 ग्रामों को विकास क्षेत्र की सीमा में सम्मिलित करने की अनुमति प्राप्त हुयी है।वीडीए के विस्तार के लिए तहसील-राजातालाब के 94 राजस्व ग्रामों क्षेत्रफल 99.75 वर्ग किलोमीटर, तहसील-पिण्डरा के 30 राजस्व ग्रामों क्षेत्रफल 59.13 वर्ग किलोमीटर,, तहसील सदर के 18 राजस्व ग्रामों क्षेत्रफल 23.43 वर्ग किलोमीटर, जनपद-चंदौली की तहसील सकलडीहा के 02 राजस्व ग्रामों क्षेत्रफल 1.50 वर्ग किलोमीटर, तहसील-पं० दीन दयाल उपाध्याय नगर के 54 राजस्व ग्रामों क्षेत्रफल 77.19 वर्ग किलोमीटर, तथा जनपद-मिर्जापुर की तहसील-चुनार के 17 राजस्व ग्रामों क्षेत्रफल 19.64 वर्ग किलोमीटर, अर्थात कुल 215 राजस्व ग्रामों क्षेत्रफल 25.06.वर्ग किलोमीटर की स्वीकृति मिल गयी है। जिसमे सरौनी, कुरौना, जन्सा, हरसोस, परमन्दापुर सि.टी, हरदासपुर,.मीरावन, परमपुर , नरैचा , चकदीहाराम , बेलौड़ी , दयापुर, गंगापुर टी.ए., जमीन सुलच्छन, लछिमनपुर , घमहापुर, जमीनदर्शन, जमीन कुशी कथक, जमीन टेकीकहार , जमीन हिकमतशाह, हिरदईपुर, परतापीपट्टी , बघेड़ , चक दर्शन, जमीन कनेरी, कनेरी, कन्हईपुर, भईदपुर , सुई चक , गंजारी, हरपुर, जमीन शिवसागर , वीरभानपुर, कचनार , रानीबाजार, टोडरपुर, मिल्की चक, नब्बे चक, निदौरा, काशीपुर, गौरा, चकमातलदेई, पयागपुर, असवारी, महावन, कठीपुर, मढैली कला, शहबाजपुर, बढ़ौनी खुर्द, भदरासी, देउरा चक, जगरदेवपुर, गंगपुर, परशुपुर, काजीचक, तोहफापुर, पैड़गाँव, नियैसीपुर, खरगरामपुर, माधोपुर, कल्याणपुर, भवानीपुर, धानापुर, लसकरिया, शाहंशाहपुर, आराजी लाइन, पनियरा, उपाध्यायपुर, गोविन्दपुर, शक्तियारपुर, बहोरनपुर, राजापुर, बभनियाँव, बहेड़बा , जीतापुर,

बना नियम

कैबिनेट ने दी सीमा विस्तार की मंजूरी

राजातालाब, पिण्डरा, सदर तहसील, सकलडीहा,डीडी नगर, चुनार तहसील शामिल

टहिया महावन, बसन्तपुर महावन, गजापुर महावन, भीखमपुर, चकअधिया, दीपापुर, भीमचण्डी, गोविन्दपुर भीमचण्डी, गोपाल चक, बुड़ापुर, बंगालीपुर, भिखारीपुर, चित्तापुर , रखौना, भुवॉलपुर , खजुरी, मेहंदीगंज , कल्लीपुर , नागेपुरगांव शामिल है। इसके अलावा तहसील-पिण्डरा से 30 राजस्व ग्राम क्षेत्रफल 59.13 वर्ग किलोमीटर है। जिसमें बहुतारा , जद्दुपुर , चकेन्दर , कैथौली , समोगरा , बेलवाँ , लखमीपुर , घमहापुर , सोनवरसा , टेटूआ , अहिरानी , नगापुर , पिण्डराई , पिण्डरा , असवालपुर , अजईपुर , जमापुर , लोकापुर , फूलपुर , सुरही , थाना , रामपुर , बर्जी , चहेरा , विन्दा , थरी , माना (मनी) , प्रहलादपुर , उधोपुर , कठरवॉं तहसील-सदर- जनपद-वाराणसी 18 राजस्व ग्राम क्षेत्रफल 23.43 वर्ग किलोमीटर की सीमा में सरैया, अहिरौली, हरदासपुर, सुलेमापुर, गुरवट, भटौली, गोसाईपुर, पलही पट्टी, महादेवपुर, फतेहपुर, राजापुर, रामगांव, बरथौली , ताड़ी, गरसड़ा, हाजीपुर, दुमितवा, बेला को लिया गया है। इसी तरह तहसील-सकलडीहा- जनपद-चन्दौली 02 राजस्व ग्राम क्षेत्रफल 1.50 वर्ग किलोमीटर को सम्मलित किया गया है। जिसमें बिहरा, खैरूद्दीनपुर ग्राम को मिलाया गया है।तहसील-प.दी.द.उ.नगर, जनपद-चन्दौली 54 राजस्व ग्राम क्षेत्रफल 77.19 वर्ग किलोमीटरकी क्षेत्रफल को शामिल किया गया है। जिसमे कनेरा, महादेवपुर, सलेमाबाद, ककरहीकला, तारापुर, जीवनपुर, महेवा, ककरही खुर्द, संघती, बगही, सदलपुरा, चन्दौली खुर्द, दयालपुर, मखदूमपुर, कोरी, जलालपुर, मटकुट्टा, नसीरपुर पहन, धूसखास, बसरतियां, हुडरहा, धमिना, ब्सनी, महरो, वाजिदपुर, डवेढिल,गहरपुरा, अकबरपुर उर्फ रामपुर, गंज ख्वाजा, रामपुर उर्फ करनपुर, डिग्घी, मखदूमपुर, झांसी, रामपुर उर्फ अकबरपुर, मुहब्बतपुर (मोहम्मदपुर), नईकोट, रेवसा, बरहुली, कटौड़ी, रेमा, अलीनगर , जगदीशपुर उर्फ भटरिया, गुवास, नियमताबाद, गंगेहरा, कुन्डलिया, बगया, भरछा , तलपरा, सुगैली, मैनुद्दीनपुर, शेखपुर, बौरी, बाराडीह आदि क्षेत्र शामिल है। इसी तरह तहसील-चुनार- जनपद-मिर्जापुर 17 राजस्व ग्राम क्षेत्रफल 19.64 वर्ग किलोमीटर के एरिया है। इसमे चुरामनपुर, रूदौली, सुरसी, महरछ, आराजी लाइन सुल्तानपुर, पुरानी छावनी, केला बेला, कुसहाँ , अदलपुरा, सुल्तानपुर खास, मुजाहिदपुर, आराजी सुल्तानपुर, मझवा तरास, चकताल, पश्चिम पट्टी,ताल विसुई चकताल विसुई,चक कुसहा आदि गांव को लिया गया है। वीडीए का वर्तमान समय में गंगा नदी के बायीं ओर स्थित नगर निगम, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय छावनी, और तहसील वाराणसी के राजस्व ग्रामों सहित विकास क्षेत्र में सम्मिलित रहा है। जबकि भाग - बी में विकास क्षेत्र के दाहिने हिस्से को शामिल किया गया था, जिसमें रामनगर, पं. दीनदयाल नगरपालिका परिषद, पं. दीनदयाल नगर स्तर अधिसूचित क्षेत्र और शामिल तहसीलों के राजस्व गांव सम्मिलित है। इस प्रकार कुल 635 ग्राम सभाओं से युक्त 793 वर्ग किलोमीटर का वाराणसी विकास क्षेत्र वर्तमान में नियोजित विकास के लिए प्रभावी है। चकताल पश्चिम पट्टी, ताल विसुई, चकताल विसुई, चक कुसहाँ वर्तमान समय में वाराणसी नगर और आस-पास के क्षेत्रों में जनसंख्या वृद्धि एवं प्रमुख मार्गों पर तीव्र औद्योगिक एवं व्यावसायिक गतिविधियाँ विद्यमान हैं।